10 गुना बढ़ीं सौर ऊर्जा परियोजनाएं

लखनऊ। प्रदेश में 2017 के बाद से सौर ऊर्जा उत्पादन में 10 गुना वृद्धि हुई है। प्रदेश में अब तक 2653 मेगावाट की सौर ऊर्जा क्षमता का विकास किया गया है। 22 हजार मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है।

सौर ऊर्जा नीति–2022 के तहत बुंदेलखंड क्षेत्र में 4000 मेगावाट क्षमता का सौर पार्क विकसित किया जा रहा है। चित्रकूट, बांदा एवं निकटवर्ती क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति के लिए 800 मेगावाट की सौर परियोजनाएं विकसित की जा रही हैं। प्रदेश में घरों की छतों पर 508 मेगावाट क्षमता के सोलर रूफटॉप परियोजनाएं लगाई जा चुकी हैं। राजभवन लखनऊ तथा गाजीपुर, बलरामपुर, मुजफ्फरनगर, बागपत, सहारनपुर, कानपुर, गाजियाबाद, आगरा, बरेली तथा जौनपुर जिलों के कलेक्ट्रेट भवनों में सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए गए हैं। सोलर रूफटॉप इंस्टालेशन के मामले में गुजरात और महाराष्ट्र के बाद यूपी तीसरे स्थान पर है। औरया जनपद के दिबियापुर में प्रदेश का पहला फ्लोटिंग सोलर प्लांट लगाया गया है। ब्यूरो

विकसित हो चुकी हैं 2653 मेगावाट की परियोजनाएं

प्रदेश में रोज हो रहा 11 किमी नई सड़कों का निर्माण

लखनऊ। प्रदेश में प्रतिदिन औसतन 11 किलोमीटर नई सड़कों का निर्माण और 9 किलोमीटर मार्गों का चौड़ीकरण किया जा रहा है। अप्रैल 2017 से अब तक 32074 किलोमीटर ग्रामीण मार्गों का नवनिर्माण किया गया है। जबकि 25000 किलोमीटर सड़कों को चौड़ा व मजबूत बनाया गया है।

2017 से अब तक 32074 किमी ग्रामीण मार्गों का नवनिर्माण किया गया

यूपी सरकार ने ग्रामीण इलाकों को शहरों से जोड़ने के लिए बड़े पैमाने पर काम किया है। पिछले आठ साल में हर साल औसतन 4076 किलोमीटर नई सड़कें बनाई गईं। जबकि 3184 किलोमीटर मार्गों का चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण हुआ। इससे गांवों तक यातायात सुगम हुआ और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिला। प्रदेश में 46 नए राष्ट्रीय मार्ग (4115 किमी), 70 नए राज्य मार्ग (5604 किमी) और 57 नए प्रमुख जिला मार्ग (2831 किमी) घोषित किए गए हैं। इससे यूपी का सड़क नेटवर्क देश के सबसे बड़े नेटवर्क में शामिल हो गया है। ब्यूरो